

हर नाम से पहले नाम तेरा ॥१॥  
 इस जग में आविर्भाव रखता है ।  
 मर्कट का खजाना ॥१॥ उनके लिए है ॥१॥  
 जो दिल में भक्ति रखता है ॥

आये हैं सब तेरे द्वार भवानी  
 लाये हैं फूलों के हार भवानी  
 हम बच्चों का -  
 हम बच्चों का भाग सम्हार भवानी ---  
 अमरकंटक है, उद्गम तेरा ॥२॥  
 तेरी चौखट को चूमें संसार भवानी  
 आये हैं :-

ऊँचे पर्वत से हरयाली ॥२॥  
 प्यारा किया है सिंगार भवानी

आये हैं :-  
 दीन भाव से जो भी पुकारे ॥२॥  
 सुनती हो उनकी पुकार भवानी  
 आये हैं :-



दे दो ज्ञान ~~मर्क~~ इस दुनियाँ को ॥२॥

इतना करो उपकार भवानी

आये हैं:-----

रेवा ~~मर्क~~ की महिमा निराली ॥२॥

भर दो दया से भंडार भवानी

आये हैं:-----

"श्री बाबा श्री" ~~मर्क~~ शरण में लेरी ॥२॥

पाया है मैंने तेरा प्यार भवानी

आये हैं:-----